



**7. बात (कथ्य) के लिए नीचे दी गई विशेषताओं का उचित बिंबो/मुहावरों से मिलान करें।**

बिंब / मुहावरा	विशेषता
बात की चूड़ी मर जाना	कथ्य और भाषा का सही सामंजस्य बनना
की पेंच खोलना	बात का पकड़ में न आना
बात का शरारती बच्चे की तरह खेलना	बात का प्रभावहीन हो जाना
पेंच को कील की तरह ठोंक देना	बात में कसावट का न होना
बात का बन जाना	बात को सहज और स्पष्ट करना

**उत्तर:-**

बिंब / मुहावरा	विशेषता
बात की चूड़ी मर जाना	बात का प्रभावहीन हो जाना
की पेंच खोलना	बात को सहज और स्पष्ट करना
बात का शरारती बच्चे की तरह खेलना	बात बात का पकड़ में न आना
पेंच को कील की तरह ठोंक देना	बात में कसावट का न होना
बात का बन जाना	कथ्य और भाषा का सही सामंजस्य बनना

**8. बात से जुड़े कई मुहावरे प्रचलित हैं। कुछ मुहावरों का प्रयोग करते हुए लिखें।**

**उत्तर:-** बात का बतंगड़ बनाना — हमारी पड़ोसन का काम ही बात का बतंगड़ बनाना है।

बार्ते बनाना — बार्ते बनाना तो कोई जीजाजी से सीखे।

**9. व्याख्या करें**

**जोर ज़बरदस्ती से**

**बात की चूड़ी मर गई**

**और वह भाषा में बेकार घूमने लगी।**

**उत्तर:-** कवि कहते हैं कि एक बार वह सरल सीधे कथ्य की अभिव्यक्ति में भाषा के चक्कर में ऐसा फँस गया कि भाषा के चक्कर में वे अपनी मूल बात को प्रकट ही नहीं कर पाया और उसे कथ्य ही बदला-बदला सा लगने लगा। कवि कहता है कि जिस प्रकार जोर जबरदस्ती करने से कील की चूड़ी मर जाती है और तब चूड़ीदार कील को चूड़ीविहीन कील की तरह ठोंकना पड़ता है उसी प्रकार कथ्य के अनुकूल भाषा के अभाव में कथन का प्रभाव नष्ट हो जाता है।

\*\*\*\*\*END\*\*\*\*\*